Vol 6 Issue 12 Sept 2017 ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Advisory Board

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Awadhesh Kumar Shirotriya

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.oldror.lbp.world

ISSN: 2249-894X IMPACT FACTOR : 5.2331(UIF) VOLUME - 6 | ISSUE - 12 | SEPTEMBER - 2017

REVIEW OF RESEARCH

डॉ. जसबीर चावला की लघुकथाओं में कथ्य निरुपण

डॉ. मनोज आर. पटेल
आचार्य एवं अध्यक्ष (हिन्दी विभाग) सी.बी. पटेल आर्ट्स कालेज नडियाद , गुजरात.

प्रस्तावना :–

डॉ. जसबीर चावला की लघुकथाओं में केवल सतयुग.कलयुग के यात्रिक अंदाज में रची कथाएं नही है; जिसमें केवल निष्कर्षो को उलट दिया जाता था, बल्कि इनमें लेखक की सृजनशीलता एवं कौशल स्पष्ट नजर आया है। 'बेटी की शादी', 'सुराग', 'लुत्ती', 'लस्से', 'नंगाराज', 'विधान' व 'वरदान' ऐसी ही लघुकथाएँ है जो जसबीर चावला को अपनी पहचान देती है।

'वरदान' में ऐसे राजा की कहानी है जिसे यह वरदान है कि वह जिस चीज को छू ले वही सोना हो जाता है, लेकिन इस कथा में वरदान छू लेने पर हथियार हो जाने का है। जो आतंकवाद की और इंगित करती है। 'बेटी की शादी' में अकबर.बीरबल के किस्से का नया संस्करण है। नयी व्याख्या है. यमुना में खडा बाह्मण महल के चिराग से गर्मी नहीं ले रहा था बल्कि बेटि की शादि की चिंता में जल रहा था। चिंता की आंच सबसे तेज होती है।

'सुराग' तीन ठग और बकरी उठाए ब्राह्मण के किस्से का रुपान्तरण है। ठगों के बार.बार सुझाने पर बाह्मण भी उनकी ही भाषा बोलने लगा। 'लुत्ती' बाप बेटे और गधे की कथा है। वे गधे की दुलती की बजाय लोगों की लुत्ती (व्यंग्य) से परेशान हैं। इनकी लघुकथाओं व्यंग्य लेखन के लिए रचनाएं काल भंग करके लिखी जाती है। पौराणीककथाओं को नवीन आयातिमान सदर्भो और समस्याओं को उभारा गया है।

आज का प्रत्येक नवयुवक सुंदर पत्नी के साथ.साथ दहेज का भी आकांक्षा होता है। जय प्रकाश त्रिवेदी 'जय' की लघुकथा 'अभागन' का उदाहरण द्रष्टव्य. 'विवाह के आठ महीने तंक उसके मायके नहीं भेजा गया। वह पति से प्रार्थना करते.करते थक गई, किन्तु उन्होंने अपना हठ न त्यागा। अभी इतना दहेज शेष हैए जब तक नहीं मिलेगा तू अपने मां बाप के घर नहीं जा सकेगी। पूरा परिवार एक स्वर से यही कहता।'

जसबीर चावला की लघुकथा 'भेडिये की नीयत' भेडिये और मेमने की कथा कि पानी तूने नहीं तो तेरे बाप नं गंदा किया है और इस तरह तबोच लेता है। इस कथा में मेमना भेडिये से बचकर माँ के पास आयाए बकरियों ने विचार विमर्श कियाए झुण्ड में रहने और सींग रखने का प्रस्ताव पास हुआए तो भेडिये ने राजनीति की . मेमने आतंक फैलाते है, मेमनिस्तान बनाने की मांग कहते हैं, विदेशों में प्रशिक्षण ले रहे है अब समय आ गया है कि मेमनों के विरुद्ध जंग छेड दी जाए और मेमना जाति को समूल नष्ट कर दिया जाय। इसे पंजाब के आतंकवाद के दौरे के संदर्भ में देखें। व्यंजना स्पष्ट हो जाएगी।

'लस्से' में बहेलियों और चिडियों की कथा है। जंगल विभाग ने जाल डालाए चिडियाएँ (आदिवासी औरतें) उतरी महुआ बीननेए पंख चिपक गए, ठेकेदार ने गाडी में बैठायाए रुपए और साडिया। म दी। टोकरी का माल चिडीमारों के भाव पहुँचा। बहा। म छंटाई हुई (आदिवासी औरतों की)। मंत्रीयों, अमीरों, बडे अफसरोंए होटलोंए चकलों व आमघरों तक पहुँची। अब वे उड नही पाती। आदिवासी औरतों के देह-शोषण की वेदना भरी कथा है।

'नंगाराज' में बच्चा चिल्लाता है. राजा नंगा है, कथा पर आधारित है। यह रुपांतरित कथा चाटुकारिता के खिलाफ आवाज बुलंद करती है। 'विधान' कार्तिकेय ने प्रश्न उठाया . कायदे से गणेश क्वालीफाई नहीं करता। शिव प्रार्वती की परिक्रमां पूरी पृथ्वी की परिक्रमा नही है। कार्तिकेय ने शिव.पार्वती के विरुद्ध अपील की, निर्णय हुआ. शंकर उस नगरी के देव हैं, उन्होने जिसे मान्यता दी हो, वही आदिदेव है। कार्तिकेय को राज्य से निष्कासित्त किसा जाता है। कार्तिकेय उबल पड, गृह त्यागाए नारद को पकडाए बह्मा से सुलह - सफाई करवाई। आदिदेव गणेशही होगा,तो विधान यह होगा कि पूजा के पहले कार्तिकेय की स्वर्ण प्रतीमा रखी जाएगी, इससे कार्तिकेय संतुष्ट हुए। इस राजनीति में हुँकार भर कर, सम्मानजनक समझौता करनेवाले नेताओं के संदर्भ में देखें। यह धार्मिक नहीं शुद्ध राजनितिक कथा है। इन

कथाओं की व्यंजनात्मकता एवं सांकेतिकता-उल्लेखनीय है।

राजनीति और व्यवस्था जसबीर चावला के प्रिय विषय है। 'रामदीन का लालटेन' में एक राजनैतिक द्ल जुलूस निकालकर अपना चुनाव चिन्ह लालटेन मुक्त बाँट रहा है। नारा है. पुरानी दो नई लो। जुलूस में शामिल होने पर किरासिन भी मिलेगा। रामदीन की माँ अपनी पुरानी लालटेन देने पर राजी नहीं थी, उसे लगा कि कहीं इसमें अलादीन के चिराग-सा चमत्कार न हो। राजनैतिक कार्यकर्ता को कहा।म सब। उसने उसका पुराना लालटेन उतारकर तोड दिया और उसकी जगह नया लालटेन लगा दिया। राजनीति का आधार भय और लालच है। लालच से काम न चले तो भय का उपयोग करो। 'सुराग' में समाजवादी सत्ता में आकर भूमंडलीकरण की पूंजीवादी भाषा बोल रहे हैं। 'विलायती बुलवाना जरुरी था, सो आजकल मुर्गी अंडे देना बंदकर, भाषा विज्ञान का अध्ययन कर रही है। व्यवस्था पर सटीक व्यंग्य है। चरखा कातते बापु के बैठने का जो ढंग हैए इससे आसानी से भीख मिल जाती है। यानि गाँधी की सादगी और स्वदेश प्रियता की दयनीयता की स्थिति में पहुँच गयी है, 'सूई और छलनी' के नीतिकथात्मक संवाद में छलनी बाजी मार ले जाती है, क्योंकि वह बाँटति है, राजनेता छलनी का कार्य करता है जो लोगों को बाँट.बाँट कर अपने पक्ष में गोलबंद करता है ताकि चुनाव के समय जीतकर सतासीन हो सके।

'नंगाराज' में राजा चाटुकारों को नंगा घुमाने की सजा देता है। 'विधान' में नाराज हुए नेता को प्रसन्न करने का तरीका है 'सियासत' में राजनितिक चालाकियों और षडयंत्रों का पर्दाफास किया गया है। सौदा चुनाव के दौरान पाइप लाईन डाली जाती है और चुनाव के वाद वापस निकाल ली जाती है। जनता पर आश्वासनों का असर न होते देख यह तरकीब की है सियासत ने। 'महाराज की आँख' पर पत्थर फेकने वाले बालकों को एक बार माफ कर दिया लेकिन दूसरी बारे राजद्रोही उदंड लडको को प्राण दंड दे दिया। व्यवस्था अपना विरोध नहीं कर सकती, चाहे वह भोले-भाले बालकों का ही हो। 'राजपेड' में सत्ता पहले बेवकूफियाँ करती हैए जब उसका प्रतिकूल असर जनता पर होने लगे तो रियासतों की घोषणा की जाती है। एक माली ने राज पेड काट दिया तो तमाम मालियों का कत्ले आम मचा दियाए बगावत की बू आते ही वजीर हरकत में आए नई घोषणाएँ हुईए मालियों को राज्य में विशेष रियायते दी गई, एक माली को खजानामंत्री भी नियुक्त किया गया। इस कथा को दलितो के संदर्भ में देखों व्यंजना स्पष्ट हो जाएगी।

आर्थिक अभाव व बेरोजगारी के दृश्य भी है जसबीर की लघुकथा में सिर्फ जिंदा रहने के लिए आदमी को जिंदगी दाँव पर लगानी पडती है। 'रामप्यारी' प्रसव की छुट्टी लेकर गई तो उसने अपनी जगह दूसरी औरत (नौकरानी) को रखवा दिया। आज उस औरत ने मालकिन को बताया कि रामप्यारी मर गई है। वह औरत इस उम्मीद में थी रामप्यारी की जगह उसे रख लिया जाएगा। व्यवस्था की विडम्बना देखिए कि कीसी के मरने पर उसकी आजीविका चले।

ताकात और धन के बल पर औरत का देहशोषण होता रहता है। 'सौभाग्य', 'सुहागिन' और 'लस्से' इसी देहशोषण की अलग-अलग कथाएँ हैं। टाडा कानून का खौफ 'टाडा' कथा में व्यथित है। यह उस समय की कथा है जब हिन्दू-सिख फिरकाप्रस्ती अपनी चरम पर थी। प्लेटफार्म पर खाना खा रहे सरदारजी से एक पियक्कड रोटी मांग रहा था, न मिलने पर उसे आतंकवादी, खालिस्तानी आदि कहा। लेकिन सरदारजी कुछ नहीं बोले। जब एक यात्री ने कहा कि एक रोटी देकर इसे रवाना कर देते। 'साब एक रोटी की बात नहीं है पीया है, मर जाता तो लग जाता टाडा। लोग मेरी रोटी को क्या.क्या बना डालते।' 'दुआ.ए.मुर्ग' एक रुपक कथा है। जिसके माध्यम से लेखक ने कमजोर गिडगिडाने वाले क्रांतिकारी और मजबूत इरादों के क्रान्तीकारी की तुलना की गई है। 'खाली स्थान' में आतंकवादियों का मुकाबला करता कमांडो आतंकवादी कि जगह घास काटती औरत को दबोच लेता है। 'सेवा' भी रुपक कथा है। 'बतख' के अंडे, कुडक मुर्गी के नीचे घर दिये,वह सेती है बतख के अंडो को, बतख के अंडो को दुलारती है। जब उसे बताया की चूजे महिने भर में बडे होकर पोखर में चले जाएंगे तो मुर्गी का कहना था. यह भी एक सेवा है।

भारतीय मुर्गी विदेशी बतख की सेवा कर रही है और वह कब पोखर में चली जाएगी कोई भरोसा है ? अंतर्राष्ट्रिय संस्थाओं के जरिये विदेशी बतख और सेवा (रियायतों) की मांग कर रही है। व्यंजना और भी हो सकती है। प्रेषणीयता के लिए जरुरी है कि कथ्य स्पष्ट हो या कम से कम ईंगित हो ताकि उसकी च्यंजना पाठक तक पहुँच सके।

निष्कर्ष रुप में कह सकते है कि डॉ.जसबीर चावला की अभिव्यक्ति का ढंग सीधा. सरल नही है जैसा कि अन्य लघुकथा लेखकों में पाया जाता है। उनकी अभिव्यक्ति जटिल है और इस कारण शिल्प भी जटिल है, उन्होंने शिल्प के स्तर पर कई प्रयोग किये है और उन्हे काफि हद तक सफलता मिली है।

अतः कहाँ जा सकता है कि जसबीर की लघुकथाओं में समस्या का समाधान करना न होकर समस्या को प्रकट करना है, इसका इलाज करना नहीं अपितु रोगी को यह सोचने के लिए विवश करना है कि रोग का निदान क्या है। इसका उदेश्य पाठक को मंजिल तक पहुचाना नहीं, मंजिल की और संकेत करना मात्र है। जसबीर की लघुकथा का उदेश्य पाठक को मीठे मनोरंजन की घुट्टि देकर सुलाना नहीं अपितु मन पर आघात करना है, चेतना पर ठोकर मारना है और आंखो में उगली घुसा कर यथार्थ दिखाना है।

डॉ. मनोज आर. पटेल
आचार्य एवं अध्यक्ष (हिन्दी विभाग) सी.बी. पटेल आर्ट्स कालेज नडियाद , गुजरात.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-
413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com